जीवनवृत्त

व्यक्तिगत जीवन और शिक्षा

19 नवंबर 1971 को नाफरा, अरुणाचल प्रदेश में जन्मे श्री किरेन रिजीजू का जीवन राष्ट्रीय एकता का प्रतीक है। अरुणाचल प्रदेश से स्कूली शिक्षा पूरी करने के बाद उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रतिष्ठित हंसराज कॉलेज से बी.ए.(ऑनर्स) की उपाधि प्राप्त की और फिर दिल्ली विश्वविद्यालय के ही विधि संकाय से विधि स्नातक की उपाधि प्राप्त की। उनकी पत्नी श्रीमती जोरम रीना रिजीजू हैं, जो इतिहास की सहायक प्रोफेसर हैं। उनके तीन बच्चे हैं।

सार्वजनिक जीवन

राजनीति में सक्रिय परिवार से आए श्री रिजीजू को अपने विद्यार्थी जीवन से ही सार्वजनिक मामलों में विशेष रुचि रही। 31 वर्ष की आयु में उन्हें भारत सरकार के खादी और ग्रामोद्योग आयोग का सदस्य नियुक्त किया गया (2002-2004) । वर्ष 2004 में वे देश के सबसे बड़े निर्वाचन क्षेत्र, पश्चिमी अरुणाचल प्रदेश से 14वीं लोकसभा के लिए निर्वाचित हुए।

संसद सदस्य के रूप में, श्री रिजीजू ने सदन के अंदर और बाहर दोनों जगह संसदीय कार्यों में सक्रिय भागीदारी के द्वारा शीघ्र ही अपने अनुभवी राजनैतिक सहयोगियों का सम्मान प्राप्त कर लिया| उन्होंने 14वीं लोकसभा में अनेक महत्वपूर्ण संसदीय समितियों में कार्य किया| सदन में 90 % से अधिक उपस्थिति दर्ज कराने तथा राष्ट्रीय और अन्तरराष्ट्रीय महत्व के मुद्दों पर नियमित रूप से प्रश्न उठाने और महत्वपूर्ण चर्चाओं में भाग लेने के कारण मीडिया द्वारा उनको सर्वश्रेष्ठ युवा सांसद आंका गया|

देश के सुदूर और अपेक्षाकृत कम विकसित क्षेत्र में पले-बढ़े होने के बावजूद उन्होंने जीवन में मिले सुअवसरों का पूरा लाभ उठाया और आज भारत सरकार और आम जनता दोनों के बीच पूर्वोत्तर की आवाज़ के रूप में जाने जाते है| वह पूर्वोत्तर को राष्ट्र की मुख्य धारा से जोड़े

जाने की पुरजोर वकालत करते रहे हैं| श्री रिजिजू, 16 मई 2014 को 16वीं लोकसभा के लिए चुने गए| उनके द्वारा किए गए कार्य को मान्यता देते हुए, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 26 मई, 2014 को उन्हें गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री के रूप में मंत्रीपरिषद् में शामिल किया गया|